

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

परंपरा का गौरव, महिला सशक्तीकरण का संकल्प : सौ. वैशाली संजय गवळी की प्रेरणादायी यात्रा

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



पारंपरिक कला को उद्यमिता से जोड़ने की पहल

महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में कोल्हापुरी चप्पल निर्माण की विशिष्ट पहचान है। इस पारंपरिक कला को संरक्षित करने और ग्रामीण महिला कारीगरों के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसर विकसित करने की दिशा में सौ. वैशाली संजय गवळी प्रयासरत हैं। कोल्हापुर लेदर एंड चप्पल वर्क्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (KLCWPCL) की अध्यक्ष एवं प्रमुख के रूप में वह पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक उद्यमिता से जोड़ते हुए महिला सशक्तीकरण और टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही हैं।

मास्टर आर्टिजन, प्रशिक्षक और पर्यवेक्षक के रूप में वैशाली गवळी को पारंपरिक कोल्हापुरी चप्पल निर्माण का व्यावहारिक अनुभव है। उनके कार्य में कारीगरों का कौशल विकास, प्रशिक्षण, उत्पाद की गुणवत्ता और निर्माण प्रक्रिया में सुधार को विशेष महत्व दिया जाता है। पारंपरिक कौशल को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना और बदलती बाजार आवश्यकताओं के अनुरूप इस कला के लिए नए व्यावसायिक अवसर विकसित करना उनकी कार्यदृष्टि का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

महिला सशक्तीकरण से उद्यमिता को प्रोत्साहन

ग्रामीण महिलाओं के पास पारंपरिक कौशल और अनुभव होने के बावजूद बाजार तक सीमित पहुंच, प्रशिक्षण के कम अवसर और व्यावसायिक मार्गदर्शन की कमी जैसी चुनौतियां हो सकती हैं। इन बाधाओं को कम करने के उद्देश्य से वैशाली गवळी महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को सामूहिक व्यवसाय, कौशल विकास और उद्यमिता से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

महिलाएं अपने हुनर के आधार पर आय अर्जित करें, आर्थिक रूप से सक्षम बनें और आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करें—यह उनके

प्रयासों के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

KLCWPCL के माध्यम से पारंपरिक कोल्हापुरी चप्पलों के साथ आधुनिक डिजाइन के फुटवियर के उत्पादन और प्रचार, कारीगरों के प्रशिक्षण, गुणवत्ता सुधार, उत्पाद विकास, ब्रांडिंग और बाजार से जुड़ाव जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाता है। प्रदर्शनियों और खरीदार-विक्रेता बैठकों के जरिए कारीगरों के उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने का भी प्रयास किया जाता है। पारंपरिक कारीगरी की विशिष्टता बनाए रखते हुए उसे आधुनिक व्यावसायिक अवसरों से जोड़ना इस पहल का महत्वपूर्ण पहलू है।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और सामाजिक नेतृत्व

कोल्हापुरी चप्पल केवल एक पारंपरिक उत्पाद नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत और कारीगरी की पहचान भी है। इस कला को आगे बढ़ाने के साथ कारीगरों को टिकाऊ रोजगार के अवसर और उनके उत्पादों के लिए उपयुक्त बाजार उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। पारंपरिक तकनीकों को सुरक्षित रखते हुए उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार और ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुसार नए उत्पाद विकसित करने की दिशा में वैशाली गवळी कार्य कर रही हैं।

व्यावसायिक जिम्मेदारियों के साथ वह वर्ष 2023 से 2027 की अवधि के लिए ग्राम पंचायत सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं। स्थानीय विकास, सामुदायिक कल्याण और ग्रामीण महिलाओं की प्रगति में योगदान देना उनके सामाजिक कार्यों का हिस्सा है।

उनके परिचय में महाराष्ट्र भूषण रणरागिणी पुरस्कार, नेशनल बेलगावी पुरस्कार, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिला बेस्ट वुमन पुरस्कार और विकसित भारत वुमन अचीवर्स अवॉर्ड 2024 जैसे सम्मानों का भी उल्लेख किया गया है।

पारंपरिक हस्तकला का संरक्षण, महिलाओं का कौशल विकास, सामूहिक उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता—इन सभी पहलुओं को साथ लेकर वैशाली संजय गवळी ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रगति के नए अवसर विकसित करने का प्रयास कर रही हैं। उनका सफर इस विचार को रेखांकित करता है कि पारंपरिक कौशल को उचित प्रशिक्षण, बाजार और व्यावसायिक अवसरों से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा सकती है। अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना उनकी यात्रा का उल्लेखनीय पक्ष है।

संपर्क विवरण

मोबाइल: 9604689538

ई-मेल: gavalivaishali90@gmail.com

ई-मेल: kopleatherworksproducer@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.